

जिसमें यात्रा करने का विधान है 4. एक प्रकार का प्राचीन अस्त्र 5. सुश्रुष के अनुसार एक देवग्रह जिसके आक्रमण करने से ग्रहग्रस्त पुरुष में माहात्म्य, शौर्य, शास्त्र-बुद्धिता आदि गुण एकाएक आ जाते हैं 6. जैनियों के एक देवता जो कल्पभव नामक वैमानिक देवगण में है।

**माहेंद्री स्त्री.** (तत्.) 1. महेंद्र अर्थात् इंद्र की शक्ति 2. इंद्र की पत्नी 3. इंद्रासन 4. गाय, गौ 5. सात मातृकाओं में से एक।

**माहेय वि.** (तद्.) मिट्टी का बना हुआ पुं. 1. मूँगा नामक रत्न, विद्रुम 2. मंगल ग्रह 3. नरकासुर।

**माहेयी स्त्री.** (तद्.) 1. गाय, गौ 2. माही नाम की नदी।

**माहेल पुं.** (तत्.) एक गौत्र-प्रवर्तक ऋषि।

**माहेश वि.** (तत्.) महेश का।

**माहेशी स्त्री.** (तत्.) दुर्गा।

**माहेश्वर वि.** (तत्.) महेश्वर-संबंधी, महेश्वर का पुं. 1. एक प्रसिद्ध शैव संप्रदाय 2. एक प्रकार का यज्ञ 3. एक उप-पुराण का नाम 4. एक प्रकार का प्राचीन अस्त्र 5. पाणिनि के वे चौदह सूत्र जिन्हें प्रत्याहार कहते हैं और जिन्हें पाणिनि ने अष्टाध्यायी के सूत्रों का प्रमुख आधार बनाया है।

**माहेश्वरी स्त्री.** (तत्.) 1. दुर्गा 2. एक मातृका का नाम 3. एक उप-पुराण का नाम 4. एक प्रकार का प्राचीन अस्त्र 5. पाणिनि के वे चौदह सूत्र जिन्हें प्रत्याहार कहते हैं और जिन्हें पाणिनि ने अष्टाध्यायी के सूत्रों का प्रमुख आधार बनाया है।

**मिंड़ाई स्त्री.** (देश.) 1. मिंड़ने या मींड़ने की अवस्था, क्रिया या भाव 2. मींड़ने का पारिश्रमिक या मजदूरी 3. देशी छींटों की छपाई में एक क्रिया जो कपड़े को छापने के उपरांत और धोने से पहले होती है।

**मिंबर पुं.** (अर.) मसजिद में वह स्थान जहाँ इमाम बैठकर नमाजियों को नमाज पढ़वाता है।

**मिआद स्त्री.** (अर.) दे. मीआद।

**मिआदी वि.** (अर.) दे. मीआदी।

**मिकदार स्त्री.** (अर.) 1. मात्रा 2. तौल।

**मिकना पुं.** (अर.) एक प्रकार की महीन ओढ़नी या चादर

**मिकराज स्त्री.** (अर.) कतरनी।

**मिकराजी पुं.** (अर.) वह तीर जिसके फल में कैंची की तरह दो गाँसियाँ होती हैं।

**मिकाडो पुं.** (जापा.) जापान के सम्राटों की उपाधि।

**मिग पुं.** (तद्.) मृग, हिरन।

**मिचकना अ.क्रि.** (देश.) आँखों या पलकों का बार-बार खुलना और बंद होना, मिचना।

**मिचकाना स.क्रि.** (देश.) पलक झपकाना, आँखों या पलकों को बार-बार खोलना और बंद करना।

**मिचकी स्त्री.** (देश.) 1. आँखें मिचकने या मिचकाने की अवस्था, क्रिया या भाव 2. आँखें मीच कर किया जाने वाला संकेत।

**मिचना अ.क्रि.** (देश.) आँखों का बंद होना, आँखों का मीचा जाना।

**मिचराना अ.क्रि.** (देश.) बिना भूख के खाना, अनिच्छा से खाना।

**मिचलाना अ.क्रि.** (देश.) मतलाना, कै आना, उल्टी होने जैसा लगना।

**मिचली अ.क्रि.** (देश.) जी मिचलाने की क्रिया या भाव उल्टी या कै करने की प्रवृत्ति होना।

**मिचवाना प्रे.क्रि.** (देश.) मीचने का काम दूसरे से करवाना, आँखें बंद करने को प्रवृत्त करना।

**मिचौहाँ वि.** (देश.) मीचने वाला, बंद होने वाला।

**मिचौना स.क्रि.** (देश.) मीचना, बंद करना जैसे-आँखें मीचना।